Seventeenth Loksabha

an>

Title: Regarding deadly illicit Liquor Trade in Bihar and demand for sending a Central Team to investigate the matter

श्री राजीव प्रताप रूडी (सारण): सभापति महोदय, मैं कल से एक सूची बना रहा हूं। मैं जब शाम को सदन से गया था तो कल से लेकर अभी तक हमारी सूची 52 तक पहुंच गई है, 52 वे लोग हैं, जिनकी पोस्टमार्टम में पुष्टि हुई है कि इतने लोगों की जहरीली शराब पीने से मौत हुई है। आज की तारीख में 100 से अधिक ऐसे लोग हैं, जो अंधेपन की स्थिति में है।

बिहार में मेरे संसदीय क्षेत्र और जिले में जहरीली शराब पीकर मरने वालों की सूची 100 से भी बढ़ सकती है। हम लोगों ने पूरे साल देखा, न भूकम्प से इतने लोग मरे हैं, न तूफान में इतने लोग मरे हैं, लेकिन एक जिले में एक ही समय में जहरीली शराब पीकर लगभग 52 लोगों के मरने की सूची आ चुकी है, मैं इस सूची को लगातार अपडेट कर रहा हूं। मैं जैसे ही यहां से बाहर निकलता हूं, यह सूची बढ़ जाती है।

चाहे केन्द्र सरकार हो या राज्य सरकार हो, नीति बनाना सरकार का अधिकार है। अगर बिहार सरकार ने शराबबंदी की नीति बनाई है तो नीति का अनुपालन करना उसकी जिम्मेवारी है। नीति का अनुपालन नहीं होता है और लोग जहरीली शराब पीने से मरते हैं तो उसी राज्य सरकार का दायित्व है, जो खुद नीति का अनुपालन नहीं करती है और इन गरीब लोगों के मरने का पूरा का पूरा दायित्व भी है।

हमारे पास सूची है, वह समाप्त नहीं हुई है, इसमें तमाम जाति के लोग हैं। बिहार सरकार रोज इन गरीबों, पिछड़ा, अति पिछड़ों, दलितों और महादलितों की बात करती है, मरने वालों में सबसे अधिक उन गरीबों की सूची है, जिनके बारे में सरकार दावा करती है। इन लोगों पर गरीबी की मार के साथ-साथ जहरीली शराब की मार भी पड़ रही है। आखिर इसका उत्तर कौन देगा?

चाहे मशरख हो, मढ़ौरा हो, अमनौर हो, इशुआपुर हो, नगर हो, एक जगह एक ही स्थान पर जहरीली शराब से इतने लोग मर गए हैं। आखिर बिहार में यह कैसा नेटवर्क है, एक जगह लोग नहीं मर रहे हैं, यह पूरे जिले में है। इसका मतलब यह तस्करी है, सरकार की विफलता है, लोग मौत से जूझ रहे हैं। आखिर इसकी बिक्री का जाल किसने बिछाया है? राजनीति छोड़िए, राजनीति में संवेदना होती है। कोई न कोई न इसका उत्तर देगा कि इन गरीबों की मौत का जिम्मेवार कौन है? बिहार की स्थिति बहुत खराब है, यह स्थिति इतनी खराब है, 100 लोग मर जाएं और सदन की संवदेना न जगे, पूरी दुनिया में 100 लोग आज की तारीख में इस प्रकार से नहीं मर जाते हैं। कहीं न कहीं बड़ी विफलता है। … (व्यवधान)

मेरी सरकार और गृह मंत्री जी से मांग है कि अविलंब एक सेंट्रल टीम भेजी जाए। क्या बिहार सरकार पूरी तरह से विफल हो चुकी है, क्या सरकार वहां समाप्त हो चुकी है, एक सेंट्रल टीम भेजकर रिपोर्ट मंगाई जाए।

माननीय सभापति: इस विषय पर संबद्ध कर दीजिए। प्रत्येक माननीय सदस्य एक ही विषय पर नहीं बोल सकते हैं।